राष्ट्रीय संस्करण
CopyRight - Jagran.com

आर्चर की आलोचना पर युवराज ने ली शोएब की क्लास

>> 14

दैनिक जागरण

वर्ष 3 अंक 71

मूल्य ₹6.00, नई दिल्ली, मंगलवार, 20 अगस्त 2019

www.jagran.com

पृष्ठ 16

सरोकार

पर्यावरण की अलख जगाते गुरुनानक 'माइक्रो' उपवन

लुधियाना : 160 वर्गमीटर जमीन को जैविक-वैज्ञानिक पद्धति से तैयार कर इस पर 550 पौधे लगा माइक्रो फॉरेस्ट विकसित किए जा रहे हैं। गुरुनानक पवित्र वन कहे जा रहे ये उपवन पंजाब में जगह-जगह तैयार करने का काम कर रही है सिख ईको संस्था। (पेज-11)

जागरण विशेष

गूगल के विज्ञापन में नजर आए दृष्टिहीन आइएएस सतेंद्र सिंह

अमरोहा : उप्र के अमरोहा जिले के निवासी दृष्टिहीन युवा सतेंद्र सिंह ने गत सिविल सर्विसेज परीक्षा में 714वीं रैंक हासिल की। अब वह गूगल के विज्ञापन में दूसरों को जीने की कला सिखाते दिखेंगे। वैश्विक सर्च इंजन गूगल ने अपने एक उत्पाद के विज्ञापन में सतेंद्र के संघर्ष और सफलता को दिखाया है। (पेज-11)

पौराणिक प्रमाणों को सत्यापित कर रहे पुरातात्विक प्रमाण

द्वारकापुरी : 2005 में द्वारका के रहस्यों से पर्दा उठाने का अभियान शुरू किया गया था, समुद्र के गर्भ में समाए पुरावशेष एक-एक कर सामने आए तो हजारों वर्ष पुराने पौराणिक विवरण जीवंत हो उठे। विशालकाय भवन, लंबी दीवारों के ढांचे, तराशे गए पत्थरों के टुकड़े.. अद्वितीय वैभव का वर्णन करने लगे। (पेज-11)

चिंता सही, मगर मंदी चौतरफा नहीं

शक्तिकांत दास बोले ▶ स्थिति अच्छी नहीं, मगर हताश-निराश होने से नहीं बनेगी बात

आरबीआइ प्रमुख ने पीएसयू बैंकों के कामकाज में सुधार के लिए सौंपी रिपोर्ट

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

चारों तरफ से आर्थिक मंदी की आहट और उद्योग जगत की तरफ से चिंताजनक बयानों के बीच आरबीआइ गवर्नर शक्तिकांत दास ने हिम्मत बंधाने की कोशिश की है। उद्योग जगत की संस्था फिक्की और भारतीय बैंक संघ की तरफ से आयोजित सालाना समारोह में दास ने माना कि मंदी को लेकर जताई जा रही चिंताएं सही हैं, लेकिन सिर्फ निराशा व हताशा से बात नहीं बनेगी। इन चुनौतियों के बीच कुछ संभावनाएं भी हैं। हालांकि उन्होंने इन संभावनाओं का जिक्र नहीं किया, लेकिन बाजार को आश्वस्त किया कि बैंकिंग व वित्तीय सेक्टर को कमजोर नहीं होने दिया जाएगा।

दास ने कहा, 'मैं यह नहीं कहता कि कठिन वक्त में बेवजह की उम्मीदें पाल लेनी चाहिए, लेकिन किसी भी अर्थव्यवस्था में सकल बाजार का मूड बहुत अहम होता है। कारोबारी समुदाय, नीति निर्धारक या नियामक के तौर पर हमें इन चुनौतियों को देखना चाहिए और भविष्य के प्रति ज्यादा आशावान रहना चाहिए।' हालांकि उम्मीद भरी बातों से पहले रिजर्व बैंक के प्रमुख ने यह भी कहा, वित्तीय स्थायित्व को लेकर चुनौतियां अर्थव्यवस्था के कई क्षेत्रों से पैदा हो सकती हैं। ये चिंताएं वित्तीय क्षेत्र, बाहरी क्षेत्र और भुगतान संबंधी क्षेत्र-कहीं से भी आ सकती हैं।

सरकारी बैंकों समेत समूचे बैंकिंग क्षेत्र में बेहतर गवर्नेंस की बहुत ज्यादा जरूरत बताते हुए उन्होंने कहा, बैंकिंग सेक्टर के सारे मौजूदा तौर-तरीकों में बदलाव की दरकार है। बैंकों के बोर्ड व उनकी उप-समितियों, ऑडिट व रिस्क मैनेजमेंट समितियों, एमडी व सीईओ के प्रदर्शन की समीक्षा के तौर-तरीकों को बदलने की जरूरत है। सरकारी क्षेत्र के बैंकों में गवर्नेंस सुधारने को आरबीआइ ने सुझाव दिया हुआ है।

दास बोले, एनबीएफसी को डूबने नहीं दिया जाएगा : भारी वित्तीय संकट में फंसी गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) को लेकर आरबीआइ गवर्नर ने दो प्रमुख आश्वासन दिए। पहला, उन्होंने कहा कि बड़ी व प्रमुख एनबीएफसी को डूबने नहीं दिया जाएगा। दूसरी बात उन्होंने यह कही कि एनबीएफसी के बड़े खातों की नए सिरे से समीक्षा नहीं की जा रही है, जैसा कि गत दो-तीन वर्षों में दो बार किया जा चुका है। गौरतलब है कि वर्ष 2016 और 2017 में आरबीआइ ने एनबीएफसी व बैंकों के बड़े औद्योगिक खाताधारकों की समीक्षा और 40 ऐसे खातों की पहचान की थी, जिन पर दिवालिया कानून लागू किया गया। हाल के दिनों में ऐसी खबरें थीं कि ऐसे कुछ और खातों का चयन किया गया है।

देश में करीब 12 हजार एनबीएफसी हैं, जिनके पास समूचे वित्तीय सेक्टर का 25 फीसद हिस्सा होता है। यही वजह है कि सरकार इनकी सेहत को लेकर बहुत संजीदा रहती है। जब से आइएलएंडएफएस की गड़बड़ी सामने आई है, तभी से एनबीएफसी को लेकर चिंताएं बढ़ गई हैं। दास ने आश्वस्त किया कि सरकार व नियामक एजेंसियां एनबीएफसी को लेकर मुस्तैद हैं।

मुंबई में फिक्की और भारतीय बैंक संघ के सालाना सम्मेलन को संबोधित करते आरबीआइ गवर्नर शक्तिकांत दास। प्रेट्र

सोशल मीडिया और गूगल सर्च में छा गया दास का 'पैंग्लोसियन'

जेएनएन, नई दिल्ली : शक्तिकांत दास ने भाषण के दौरान एक ऐसे कम प्रचलित शब्द 'पैंग्लोसियन' का प्रयोग किया, जो देखते-देखते गूगल सर्च और सोशल मीडिया पर छा गया। फिक्की के कार्यक्रम में दास ने कहा, 'निराशा-हताशा से किसी का कोई भला नहीं होने वाला है। मैं यह नहीं कहता कि हमें 'पैंग्लोसियन' हो जाना चाहिए और हर परिस्थिति में मुस्कुराना चाहिए। मैं हर मुश्किल वक्त में हर किसी से बस मुस्कुराते रहने की उम्मीद नहीं रखता, लेकिन हताशा और निराशा से भी हमारा कोई भला नहीं होगा।' मरियम-वेबस्टर शब्दकोश के मुताबिक पैंग्लोसियन का आशय ऐसे व्यक्ति से है, जो मुश्किल से मुश्किल परिस्थितियों में आशावादी बना रहता है। इसे बहुत ज्यादा आशावादी होना भी कहा जा सकता है। यह शब्द असल में फ्रांस के मशहूर साहित्यकार वोल्टायर के एक प्रसिद्ध हास्य उपन्यास 'कैन्डिडे' के किरदार डॉ. पैनगलॉस से आया है, जो बेहद आशावादी है। वह मुश्किल भरे दौर और क्रूरता का सामना करने के बाद भी वह आशावादी बना रहता है। दास ने कहा, 'हमें मुश्किलों के साथ अवसरों पर भी ध्यान देना चाहिए। दास ने जैसे शब्द का इस्तेमाल किया वैसी शब्दावली के लिए शशि थरूर और दिवंगत जयपाल रेड्डी जाने जाते रहे हैं।

मोदी ने ट्रंप से की फोन पर बात, निशाने पर रहा पाक

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

▶ पीएम ने कहा - क्षेत्रीय शांति के लिए खतरा हैं पड़ोसी देश के नेताओं के बयान

जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 खत्म होने के बाद मंगलवार को पहली बार भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच चर्चा हुई। दोनों नेताओं ने करीब आधे घंटे फोन पर बात की। इस दौरान मोदी ने इशारों में पाकिस्तानी प्रधानमंत्री इमरान खान पर निशाना साधा और क्षेत्रीय शांति के लिए आतंक के खात्मे पर जोर दिया।

प्रधानमंत्री कार्यालय की ओर से जारी बयान के मुताबिक, बातचीत गर्मजोशी के माहौल में हुई, जो दोनों नेताओं के आपसी संबंधों की मजबूती दर्शाती है। बातचीत के दौरान क्षेत्रीय शांति की चर्चा उठने पर मोदी ने कहा कि कुछ नेताओं की ओर से भारत के खिलाफ दिए जा रहे भड़काऊ बयानों से क्षेत्रीय शांति को खतरा है। अनुच्छेद 370 पर भारत के कदम से बौखलाए पाक के नेता लगातार अनाप-शनाप बयान दे रहे हैं। इन पर परोक्ष रूप से निशाना साधने के साथ ही मोदी ने आतंकवाद के खात्मे पर भी जोर दिया। उन्होंने हिंसा और आतंकमुक्त माहौल बनाने और बिना भेदभाव के हर तरह के सीमापार आतंकवाद को खत्म करने की बात कही। मोदी ने दोहराया कि भारत गरीबी, अशिक्षा व बीमारियों से लड़ने में हर उस देश की मदद के लिए तैयार है, जो आतंक को खत्म करने के रास्ते पर चलेगा। मोदी और ट्रंप की बात इसलिए भी अहम है, क्योंकि शुक्रवार को इमरान खान ने भी ट्रंप से बातचीत की थी। ट्रंप ने उन्हें स्पष्ट तौर पर सलाह दी थी कि भारत के साथ तनाव खत्म करने के लिए वार्ता का रास्ता अख्तियार करें। कश्मीर मुद्दे पर दोनों देशों को मिलकर ही समाधान निकालना होगा। मोदी-ट्रंप के बीच द्विपक्षीय कारोबार, अन्य संबंधों व अफगानिस्तान के हालात पर भी चर्चा हुई। जून, 2019 के आखिर में ओसाका में ट्रंप से हुई वार्ता का संदर्भ देते हुए मोदी ने कहा, भारतीय वाणिज्य मंत्री शीघ्र ही अमेरिका में अपने समकक्ष से भेंट करेंगे, ताकि द्विपक्षीय कारोबार से जुड़े मुद्दों पर सहमति बन सके। अफगानिस्तान मसले पर मोदी ने कहा, भारत हमेशा संयुक्त, सुरक्षित, लोकतांत्रिक और स्वतंत्र अफगानिस्तान का पक्षधर है।

डोनाल्ड ट्रंप नरेंद्र मोदी (फाइल फोटो)

कश्मीर को अफगान शांति प्रक्रिया से जोड़ना अनुचित है : अफगानिस्तान पेज>>13

विमानन घोटाले में घिरे चिदंबरम, होगी पूछताछ

▶ प्रवर्तन निदेशालय ने 23 अगस्त को जांच अधिकारी के समक्ष पेश होने के लिए कहा

नई दिल्ली, एजेंसियां : संप्रग शासनकाल में हुए विमानन घोटाले की मनी लांड्रिंग जांच के सिलसिले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने पूर्व वित्त मंत्री पी. चिदंबरम को समन भेज 23 अगस्त को जांच अधिकारी के समक्ष पेश होने के लिए कहा है। ज्ञात हो, यह मामला करोड़ों रुपये के कथित विमानन घोटाले और अंतरराष्ट्रीय एयरलाइनों के लिए एयरस्लॉट निर्धारित करने में अनियमितता से एयर इंडिया को हुए नुकसान से संबंधित है। पूर्व विमानन मंत्री और राकांपा नेता प्रफुल्ल पटेल से ईडी पहले ही पूछताछ कर चुका है।

सूत्रों के मुताबिक, ईडी चिदंबरम से 111 विमानों की खरीद से जुड़े मामले में पूछताछ करना चाहती है। 2007 में 70 हजार करोड़ रुपये की लागत से एयरबस से 48 और बोइंग से 68 विमान खरीदे गए थे। पटेल ने दावा किया था कि विमानों की खरीद को चिदंबरम की अध्यक्षता वाले अधिकार प्राप्त मंत्रियों के समूह (ईजीओएम) ने मंजूरी प्रदान की थी, जबकि तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह की कैबिनेट ने 2005 में बोइंग से 68 विमान खरीद को मंजूरी दी थी। इसके एक साल बाद इंडियन एयरलाइंस ने एयरबस से 43 विमान खरीदने का करार किया था। ईडी एयरबस से मंजूरी से अधिक विमान खरीद के मामले में ही चिदंबरम से पूछताछ करना चाहता है। कैग ने भी 2011 में सरकार के इस फैसले पर सवाल उठाया था। 2007 में इंडियन एयरलाइंस और एयर इंडिया के विलय के बाद उनका ब्रांडनेम 'एयर इंडिया' कर दिया गया था। इस मामले की जांच भी जारी है। बता दें कि चिदंबरम एयरसेल मैक्सिस और आइएनएक्स मीडिया मामले में भी घिरे हैं।

अब 60 साल में रिटायर होंगे अर्धसैनिक बलों के कर्मचारी

नई दिल्ली : केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (सीएपीएफ) में काम करने वाले सभी कर्मचारी अब 60 साल की आयु में सेवानिवृत्त होंगे। सोमवार को गृह मंत्रालय ने इस संबंध में निर्देश जारी कर दिया। यह निर्देश दिल्ली हाई कोर्ट के जनवरी के उस आदेश के मद्देनजर आया है, जिसमें अर्धसैनिक बलों में अलग-अलग सेवानिवृत्ति की आयु वाली नीति को भेदभावपूर्ण और असंवैधानिक कहा था। (पेज-3)

असम में घुसपैठियों की पहचान का काम जारी रह सकता है

नई दिल्ली : सर्वोच्च न्यायालय के आदेश के मुताबिक, असम में सत्तारूढ़ भाजपा सरकार 31 अगस्त को राष्ट्रीय नागरिकता रजिस्टर (एनआरसी) की फाइनल सूची जारी करने जा रही है, लेकिन एनआरसी से बच निकले अवैध बांग्लादेशी घुसपैठियों को खोज निकालने के लिए सरकार कानून का सहारा ले सकती है। गृह मंत्री अमित शाह से भेंट के बाद मुख्यमंत्री सर्वानंद सोनोवाल ने इसके संकेत दिए। (पेज-4)

तरुण तेजपाल के ऊपर चलता रहेगा यौन शोषण का मामला

नई दिल्ली, प्रेट्र: सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को तहलका पत्रिका के संस्थापक तरुण तेजपाल की उस याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें उन्होंने निचली अदालत द्वारा अपने ऊपर पर लगाए गए यौन शोषण के आरोपों को रद करने की मांग की थी। कोर्ट ने साफ किया है कि उनके खिलाफ यौन उत्पीड़न का मामला चलता रहेगा।

जस्टिस अरुण मिश्रा और जस्टिस एमआर शाह के नेतृत्व वाली पीठ ने गोवा की निचली अदालत को प्राथमिकता के आधार पर छह महीने में सुनवाई पूरी करने को कहा है। बता दें कि शीर्ष अदालत ने छह अगस्त को तेजपाल की याचिका पर अपना आदेश सुरक्षित रख लिया था। तेजपाल पर आरोप हैं कि उन्होंने 2013 में गोवा के एक पांच सितारा होटल की लिफ्ट में एक पूर्व महिला सहकर्मी का यौन उत्पीड़न किया था। हालांकि उन्होंने आरोपों से इन्कार किया था, लेकिन अदालत द्वारा अग्रिम जमानत याचिका खारिज होने के बाद तेजपाल को अपराध शाखा ने 30 नवंबर 2013 को गिरफ्तार कर लिया था। वह मई 2014 से जमानत पर बाहर हैं। गोवा पुलिस ने दावा किया था कि उसके पास घटना के समय के वाट्सएप संदेश और ई-मेल हैं, जिससे साबित होता है कि तेजपाल को मामले में सुनवाई का सामना करना चाहिए। पुलिस ने आरोपों को रद करने वाली तेजपाल की याचिका का विरोध करते हुए अदालत को यह भी बताया था कि उसके पास मामले में सुनवाई के लिए पर्याप्त सुबूत हैं।

तरुण तेजपाल फाइल फोटो

सुप्रीम कोर्ट ने खारिज की आरोपों को रद करने वाली अर्जी

बांबे हाई कोर्ट के उस आदेश को शीर्ष अदालत में दी थी चुनौती पेज>>3

बालाकोट के बाद पाक से युद्ध के लिए तैयार थी सेना

नई दिल्ली : बालाकोट एयर स्ट्राइक के बाद भारतीय सेना पाकिस्तान के साथ किसी भी तरह के युद्ध के लिए तैयार थी। इतना ही नहीं, वह युद्ध को पाक की जमीन पर लड़ने के लिए तैयार थी। सेना प्रमुख जनरल बिपिन रावत ने स्पष्ट रूप से सरकार को यह बता भी दिया था। समाचार एजेंसी प्रेट्र ने शीर्ष सैन्य सूत्रों के हवाले से यह जानकारी दी है। सूत्रों का कहना है कि बालाकोट एयर स्ट्राइक के बाद सेना प्रमुख जनरल रावत ने बेहद साफ तौर पर सरकार को बता दिया था कि उनकी सेना पाकिस्तान के किसी भी जमीनी हमले से निपटने और युद्ध को दुश्मन की जमीन पर ले जाने के लिए पूरी तरह से तैयार है। (पेज-5)

विश्वास News

हरि सिंह की पोती के नाम पर चल रहा वीडियो है फर्जी ?

विश्वास न्यूज की पड़ताल ● पेज 11

न्यूज गैलरी

राज-नीति ▶ पृष्ठ 3

रेलवे के विंडो टिकट काउंटर भी होंगे आइआरसीटीसी के हवाले

नई दिल्ली : रेलवे पैसेंजर रिजर्वेशन सिस्टम में आपसी टकराव को रोकने के लिए रेल मंत्रालय ने इसे पूरी तरह आइआरसीटीसी के हवाले करने का प्रस्ताव किया है। अभी पीआरएस का केवल ऑनलाइन संस्करण ही आइआरसीटीसी के पास है।

नेशनल न्यूज ▶ पृष्ठ 5

कश्मीर के स्कूलों में बजी 'अमन' की घंटी

जम्मू : कश्मीर घाटी में सुधरते हालात के बीच सोमवार को उस समय 'अमन' की घंटी बजी, जब दो हफ्ते बाद प्रशासन ने श्रीनगर समेत पूरे कश्मीर में एक हजार प्राइमरी स्कूल खोल दिए। कार्यालय और बैंक भी खुले रहे।

बिजनेस ▶ पृष्ठ 12

मध्यम वर्ग को बड़ी टैक्स राहत देने की तैयारी में सरकार

नई दिल्ली : मौजूदा आयकर कानून की जगह बनने वाला नया डायरेक्ट टैक्स कोड मध्यम वर्ग को बड़ी राहत दे सकता है। साथ ही यह घरेलू और विदेशी कंपनियों के लिए कॉरपोरेट टैक्स की समान दर रखते हुए कॉरपोरेट टैक्स का बोझ भी हल्का कर सकता है।

हमारे आदेश को 'राजनीतिक रंग' नहीं दिया जा सकता : सुप्रीम कोर्ट

▶ दिल्ली के तुगलकाबाद वन क्षेत्र में रविदास मंदिर गिराने का मामला

▶ दिल्ली, हरियाणा व पंजाब सरकार को कानून-व्यवस्था बनाए रखने के निर्देश

नई दिल्ली, प्रेट्र: सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को कहा कि दिल्ली के तुगलकाबाद वनक्षेत्र में स्थित गुरु रविदास मंदिर को गिराने के उसके आदेश को 'सियासी रंग' नहीं दिया जा सकता। जस्टिस अरुण मिश्र और एमआर शाह की पीठ ने पंजाब, हरियाणा व दिल्ली की सरकारों को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि इस मुद्दे पर राजनीतिक रूप से या प्रदर्शनों के दौरान कानून-व्यवस्था संबंधी कोई स्थिति उत्पन्न न हो।

पीठ ने कहा, 'हर चीज राजनीतिक नहीं हो सकती। धरती पर कोई भी हमारे आदेश को राजनीतिक रंग नहीं दे सकता।' ज्ञात हो, दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) ने पिछले दिनों कोर्ट के आदेश का पालन करते हुए संबंधित मंदिर को गिरा दिया था। कोर्ट ने नौ अगस्त को कहा था कि वनक्षेत्र को खाली करने के उसके पूर्व आदेश पर अमल न कर गुरु रविदास जयंती समारोह समिति ने 'गंभीर उल्लंघन' किया है। 500 साल पुराने मंदिर को गिराए जाने के बाद, पंजाब और दिल्ली के कई स्थानों पर सियासी दलों और दलित समुदाय के सदस्य प्रदर्शन कर रहे हैं।

सुनवाई की शुरुआत में अटॉर्नी जनरल केके वेणुगोपाल ने कहा, मंदिर गिराने का काम डीडीए ने शीर्ष अदालत के आदेश के पालन में किया और कुल 18 संगठन इसके खिलाफ विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। शीर्ष अदालत ने 13 अगस्त को वेणुगोपाल से इस मामले में सहयोग करने को कहा था। वेणुगोपाल ने पीठ को बताया कि चूंकि कई संगठन इस कदम के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे हैं, इसलिए इनके पीछे किसी एक व्यक्ति का ठीक-ठीक पता लगा पाना बहुत कठिन है। इस पर पीठ ने कहा, मामला सुलझ गया है तो कोई मुश्किल नहीं है लेकिन अगर यह अनसुलझा रहता है तो कोर्ट सुनवाई करेगी। वेणुगोपाल ने पीठ से कहा, उसे पंजाब, हरियाणा व दिल्ली सरकार को यह सुनिश्चित करने के निर्देश देने चाहिए कि कानून-व्यवस्था की स्थिति बरकरार रहे।

दिल्ली में यमुना का जलस्तर खतरे के निशान के पार

यमुना किनारे से सामान समेट कर जाते लोग।

नई दिल्ली : उत्तरी भारत में मौसम का सितम लगातार जारी है। हरियाणा के हथिनी कुंड बैराज से रविवार को बहुत अधिक मात्रा में छोड़े गए पानी के कारण दिल्ली में यमुना उफान पर है। सोमवार शाम नदी का जलस्तर खतरे के निशान के ऊपर पहुंच गया। प्रशासन की ओर से किसी अनिष्ट को टालने के लिए बाढ़ की चेतावनी जारी की गई है। वहीं, हिमाचल प्रदेश में सोमवार को भी दो और बच्चे नाले में बह गए। राज्य में अब तक मृतकों की संख्या 25 हो गई है। बारिश और भूस्लखन से 1088 सड़कें अभी बंद हैं, जबकि विभिन्न क्षेत्रों में फंसे 900 लोगों को रेस्क्यू किया गया है। 700 बसें विभिन्न जगहों पर फंसी हैं। मणिमहेश यात्रा पर भी रोक लगी है। उत्तराखंड में बारिश से 12 की मौत हो चुकी है। (पेज-2 और 7 देखें)

कारगर रणनीति

कश्मीर में 11 दिन तक डेरा डाल एनएसए ने खुद बनाया पूरा प्लान, स्थानीय अफसरों और सुरक्षा एजेंसियों के फीडबैक का लिया सहारा

मिशन कश्मीर के लिए एनएसए डोभाल का 4एम फार्मूला

नवीन नवाज, श्रीनगर

कश्मीर में हालात सामान्य बनाने के प्रयास निरंतर जारी हैं। इसमें सबसे मददगार साबित हो रहा है राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल का तैयार किया 4-एम एक्शन प्लान। इसी पर अमल कर प्रशासन न सिर्फ असामाजिक तत्वों पर शिकंजा कसने में कामयाब रहा है, बल्कि सीमापार बैठे उनके आका भी अपनी रणनीति में सफल नहीं हो पा रहे हैं। 4एम फार्मूले को ध्यान में रखते हुए राज्य पुलिस और केंद्रीय सुरक्षा एजेंसियां समन्वित तरीके से अभियान चला रही हैं। इस कार्ययोजना को अजीत डोभाल ने संबधित सुरक्षा एजेंसियों के फीडबैक के आधार पर तैयार किया है। बता दें कि वह कश्मीर में करीब 11 दिन तक डेरा डाल खुद राज्य की आंतरिक व बाहरी सुरक्षा परिस्थितियों की समीक्षा कर हाल ही में दिल्ली लौटे हैं।

पहला एम- घुसपैठ नाकाम बना आतंकियों पर कस रहे शिकंजा: पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आइएसआइ और सीमा पार बैठे आतंकी सरगना जम्मू कश्मीर समेत देश के कई हिस्सों में बड़े हमले की साजिश रच रहे हैं। करीब 250 आतंकी अंतरराष्ट्रीय सीमा और नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पार स्थित लॉन्चिंग पैड पर घुसपैठ के लिए तैयार बैठे हैं। इनसे निपटने को घुसपैठ रोधी तंत्र को पूरी तरह मजबूत कर उन्हें सरहद पर ही मार गिराने की रणनीति को अपनाया जा रहा है। नेपाल और बंगलादेश के रास्ते आने वाले लोगों की भी स्क्रीनिंग की जा रही है। राज्य के भीतरी हिस्सों में आतंकरोधी अभियान तेज किए जाएंगे। नए लड़कों की भर्ती रोकने को नागरिक प्रशासन को भी सक्रिय बनाया जाएगा।

अफसरों की मदद से एनएसए ने सुझाया आतंकियों, ओवरग्राउंड वर्करों, कट्टरवादियों और पत्थरबाजों पर शिकंजे का फार्मूला

दूसरा एम-मूवर्स एंड शेकर्स यानी ओजीडब्ल्यू को खोजना बड़ी चुनौती : आतंकियों के लिए आंख, नाक, कान का काम करने वालों को ओवरग्राउंड वर्कर कहते हैं। यह लोग न सिर्फ आम लोगों में घुल मिलकर राष्ट्र विरोधी प्रदर्शनों और हिंसा को भड़काते हैं बल्कि आतंकियों के लिए सुरक्षित ठिकानों, पैसे की व्यवस्था के अलावा टारगेट की निशानदेही भी करते हैं। पूरी वादी में करीब छह हजार ओवरग्राउंड वर्कर सक्रिय हैं। इनके खिलाफ पुलिसी खुफिया विंग और केंद्रीय खुफिया एजेंसियों के साथ मिलकर अभियान चला रही है। इनमें से कई पकड़े जा चुके हैं।

तीसरा एम - मजहब के नाम पर भड़काने वालों पर भी नजर : कश्मीर में आतंकवाद और अलगाववाद की आग भड़काने में कई मजहबी नेताओं, उलेमा व मौलवियों की भूमिका का संज्ञान लिया गया है। अगर यह लोग धार्मिक मंच का इस्तेमाल करते हुए जिहादी और धार्मिक भावनाओं को उकसाकर हिंसा भड़काते हैं तो इन्हें गिरफ्तार कर लिया जाएगा। जिनका पुराना रिकॉर्ड नहीं होगा, उन्हें चेतावनी देकर छोड़ दिया जाएगा। पुराने मामले होने पर पीएसए व अन्य कानूनों का इस्तेमाल होगा।

चौथा एम - मॉबस्टर्स यानी पत्थरबाजों पर भी होगी कड़ी कार्रवाई : सुनियोजित तरीके से पत्थरबाजी और राष्ट्रविरोधी प्रदर्शनों का संचालन करने वाले और पथराव में हिस्सा लेने वालों पर लगाम लगाने की भी रणनीति है। सभी पुराने और पेशेवर पत्थरबाजों की सूची तैयार कर उनकी गिरफ्तारियों को अमल में लाया जा रहा है। पहली बार पकड़े गए 16 वर्ष तक के किशोर को 20 परिजनों द्वारा जमानती बांड भरने के बाद रिहा कर दिया जाएगा। दोबारा पकड़े जाने या पत्थरबाजी के पुराने मामले भी हैं तो कठोर कार्रवाई की जाएगी।